クマル・ヴァルン（インド）

2024 年「伊勢」と日本スタディプログラム　最終レポート

最初に、この貴重なプログラムに参加する機会を与えてくれた皇學館大学に心から感謝申し上げます。
皇學館大学の「伊勢」と日本スタディプログラムは、私が今まで参加したいろいろな講義やプログラムでは一番良くて素晴らしいプログラムだとおもいます。それはどうしてかと言うと、このプログラムにはただ講義だけではなくてフィールドスタディがいっぱい入っているからです。特にどの国でも文化、習慣、祭りなどを本だけで勉強するよりそれを実際に体験すると一生忘れられない思い出になります。このプログラでは同じ雰囲気を通じて伊勢だけではなく、日本全国の文化を実際に味わうことができました。伊勢は昔から、つまり日本の神話の時代から日本の象徴として知られている上、現代でも同じように[日本]という国の意味を受け継げられています。
このプログラムに来る前に日本の神話、神道、日本文化などをインドで内容的に授業で学んでいたが多分実際の意味を理解していなかったとも言えます。それは、伊勢に来て内宮、外宮を含めて幾つかの神社を参拝して本当の意味を理解できるようになりました。そして、理解した上、いろいろな国からの研究者と意見を交換することは最高の経験だったと思います。
このプログラムの 3 週間は気づかない間自然に立ってしまったが、この間で学んだこと、体験したことはいつも役に立ちます。
プログラムの初日から、伊勢、神道、皇學館大学、そして日本について、各分野のスペシャリストの先生方からいっぱいの知識をいただきました。
このプログラムでは、神社の参拝の仕方、茶道、伊勢の伝統的な伊勢和菓子作りなど、様々なことを体験しました。でも、一番気になったのは、今まで神社に何度も行ったことがあったけれど、知識不足のために正しい方法で行ったことがなかったことです。でも今は、神道と日本についてもっと自信が持てるようになりまた。そして帰国したら、後輩や生徒たちに同じ知識を伝えられるように頑張ります。
最後に、改めて皇學館大学、そして私たちのために厳しく働いてくださったスタッフの皆さんに感謝申し上げます。

सबसे पहले, मैं इस मूल्यवान कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर देने के लिए Kogakkan विश्वविद्यालय के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं।

मुझे लगता है कि Kogakkan विश्वविद्यालय का ISE and Japan study program उन सभी कार्यक्रमों में से सबसे अच्छा और सबसे अद्भुत कार्यक्रम है, जिनमें मैंने अब तक भाग लिया है। इसका कारण यह है कि इस कार्यक्रम में केवल व्याख्यान ही नहीं बल्कि बहुत सारे क्षेत्रीय अध्ययन भी शामिल हैं। विशेष रूप से यदि आप केवल किताबों से अध्ययन करने के बजाय वास्तव में किसी भी देश की संस्कृति, रीति-रिवाजों, त्योहारों आदि का अनुभव करते हैं, तो आपके पास ऐसी यादें होंगी जो जीवन भर बनी रहेंगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से, मैं न केवल ISE बल्कि पूरे जापान की संस्कृति को एक ही माहौल में अनुभव करने में सक्षम हुआ। ISE प्राचीन काल से, अर्थात् जापानी पौराणिक कथाओं के दिनों से, जापान के प्रतीक के रूप में जाना जाता है, और [जापान] देश का मूल्य अर्थ आज भी संजो कर रखा है।

इस कार्यक्रम में आने से पहले, मैंने भारत में कक्षाओं में जापानी पौराणिक कथाओं, Shinto, जापानी संस्कृति आदि का अध्ययन किया था, लेकिन मैं कह सकता हूं कि शायद मुझे वास्तविक अर्थ समझ में नहीं आया था। इसे आने और Naiku और Geku सहित कई तीर्थस्थलों का दौरा करने के बाद, मैं इसका सही अर्थ समझ सका। मुझे लगता है कि विभिन्न देशों के शोधकर्ताओं के साथ समझ हासिल करना और विचारों का आदान-प्रदान करना एक शानदार अनुभव था।

इस कार्यक्रम के तीन सप्ताह न जाने कैसे बीत गये, लेकिन इस दौरान मैंने जो सीखा और अनुभव किया वह हमेशा उपयोगी रहेगा।

कार्यक्रम के पहले दिन से, मैंने उन शिक्षकों से ISE, Shinto, Kogakkan विश्वविद्यालय और जापान के बारे में बहुत कुछ सीखा, जो अपने-अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं।

इस कार्यक्रम में, हमने विभिन्न चीज़ों का अनुभव किया जैसे कि किसी मंदिर में कैसे जाएँ, चाय समारोह, और पारंपरिक ISE जापानी मिठाइयाँ बनाना। लेकिन जो बात मुझे सबसे ज्यादा परेशान कर रही थी वह यह थी कि हालाँकि मैं पहले भी कई बार धार्मिक स्थलों पर जा चुका था, लेकिन ज्ञान की कमी के कारण मैंने कभी भी इसे सही तरीके से नहीं किया था। लेकिन अब मैं Shinto और जापान के बारे में अधिक आश्वस्त महसूस करता हूं। जब मैं अपने देश भारत लौटूंगा, तो मैं अपने कनिष्ठों और छात्रों को वही ज्ञान देने की पूरी कोशिश करूंगा।

अंत में, मैं एक बार फिर Kogakkan विश्वविद्यालय और सभी कर्मचारियों को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने हमारे लिए इतनी मेहनत की है।